

## न्यायालय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

प्र.कं.

/ 2012 पुनरीक्षण

R- 3720-2/12

शुभजी दत्तक पुत्र स्व. प्रहलाद

निवासी ग्राम अजापुरा तहसील व जिला

शुभपुर (म.प्र.)

..... आवेदक

विरुद्ध

1. मांगीबाई पुत्री स्व.प्रहलाद पत्नी गुलाबचंद निवासी ग्राम सनमान पुरा तह. पीपल्दा जिला कोटा (राजस्थान)
2. गीता बाई पुत्री स्व. प्रहलाद पत्नी रतनलाल निवासी ग्राम पानडी तहसील व जिला शुभपुर (म.प्र.)
3. संतोष बाई पुत्री स्व. प्रहलाद पत्नी मूडीलाल निवासीग्राम राधापुरा तह. बडौदा जिला शुभपुर (म.प्र.)

..... अनावेदकगण

4. म.प्र. शासन (प्रोफार्मा पक्षकार)

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, शुभपुर द्वारा प्र.कं. 99/2011-12/अ.मा. में पारित आदेश दिनांक 25.8.12 के विरुद्ध म.प्र. मू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत पुनरीक्षण**

माननीय महोदय,

आवेदक का निम्नानुसार निवेदन है कि -

- 1- यह कि, अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश अवैध, अनुचित तथा विधि के उपबंधों के प्रतिकूल होने से प्रथम दृष्टया ही निरस्त किये जाने योग्य है।

*Handwritten signature/initials*

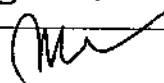
## राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 3720-एक/2012 निगरानी

जिला श्योपुर


स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि० के हस्ता०
4-5-16	<p>यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी श्योपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 99/11-12 अपील में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 25-8-12 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई, जिसके द्वारा अनावेदकगण की ओर से अनुविभागीय अधिकारी श्योपुर के समक्ष ग्राम पंचायत अजापुरा की नामान्तरण पंजी क्रमांक 41 में पारित आदेश दिनांक 10-1-02 के विरुद्ध अपील प्रस्तुत की गई है एवं अनुविभागीय अधिकारी ने अंतरिम आदेश दिनांक 25-8-12 से प्रकरण पंजीबद्ध करने का तथा अधीनस्थ न्यायालय का रिकार्ड तलब करने का निर्णय लिया है।</p> <p>3/ आवेदक के अभिभाषक ने तर्कों में व्यक्त किया है कि अनुविभागीय अधिकारी को नामान्तरण आदेश दिनांक 10-1-02 के 8 वर्ष बाद अपील को दर्ज नहीं करना था अपितु उन्हें समयावधि के बिन्दु पर अपील निरस्त कर देना चाहिये थी।</p> <p>4/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं निगरानी मेमो में अंकित आधारों के अवलोकन से स्थिति यह है कि आवेदकगण द्वारा यह निगरानी इस आधार पर प्रस्तुत की गई है कि अनुविभागीय अधिकारी ने 8 वर्ष के विलम्ब से प्रस्तुत अपील को सुनवाई में लिया है। अनुविभागीय अधिकारी के अंतरिम आदेश दिनांक 25-8-12 के अवलोकन से पाया गया कि उन्होंने अपील सुनवाई हेतु दायर कराई है अवधि विधान</p>	

की धारा-5 पर अथवा विलम्ब पर किसी प्रकार का निर्णय नहीं लिया है। विलम्ब के सम्बन्ध में जो आपत्ति आवेदक के अभिभाषक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर रहे हैं उन्हें तदाशय की आपत्ति अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने का उपचार प्राप्त है, जिसके कारण विचाराधीन निगरानी प्रचलन योग्य नहीं है।

5/ उपरोक्त कारणों से निगरानी अप्रचलशील पाये जाने से इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है। अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के साथ आदेश की प्रति भेजी जावे एवं प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा किया जावे।

A  
ASL

  
सदस्य